पाठ - तताँरा-वामीरो

पाठ्य पुस्तक प्रश्न

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

प्रश्न 1. तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

उत्तर: तताँरा वामीरो की कथा उन द्वीपों की है जिन्हें आज लिटिल अंडमान और कार निकोबार के नाम से जाना जाता है। ये द्वीप कभी एक हुआ करते थे।

प्रश्न 2. वामीरो अपनी गाना क्यों भूल गई?

उत्तर: वामीरो अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के एक दूसरे गाँव की रहने वाली युवती थी। वह सुंदर और मधुर गाती थी। जब वह समुद्र के किनारे गा रही थी, तो समुद्र की लहरें उसे भिगो गईं, जिससे वह हड़बड़ा गई और अपना गाना भूल गई।

प्रश्न 3. तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

उत्तर: तताँरा ने वामीरो से गाना पूरा करने और अगले दिन भी वहाँ आने की याचना की। इसके अलावा उसने उसका नाम भी जानना चाहा था।

प्रश्न 4. तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?

उत्तर: तताँरा और वामीरो के गाँव की यह रीति थी कि लड़का-लड़की का विवाह एक ही गाँव के होने पर ही हो सकता | था अर्थात् विवाह के लिए लड़का-लड़की का एक ही गाँव का होना आवश्यक था।

प्रश्न 5. क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

उत्तर: क्रोध में आकर तताँरा ने अपनी दैवीय शक्ति युक्त तलवार निकाली और उसे जमीन में घोंपकर खींचने लगा, जिससे द्वीप दो भागों में बँट गया।

लिखित-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

प्रश्न 1. तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?

उत्तर: तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का मत यह था कि तताँरा की तलवार में दैवीय शक्ति है, जिसकी मदद से वह साहसिक कारनामे किया करता है और सदा अपनी कमर में बाँधे रहता है।

प्रश्न 2. वापरो ने ताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया?

उत्तर: जब समुद्र के किनारे बैठी वामीरो एक श्रृंगार-गीत गा रही थी, तभी अचानक एक सुंदर युवक तताँरा को सामने देखकर उसने अपना श्रृंगार-गीत बीच में रोक दिया, तो तताँरा ने इसका कारण पूछा और उससे बार-बार आग्रह करने लगा कि वह (वामीरो) गीत गाकर पूरा करें। इस असंगत प्रश्न के कारण ही वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से जवाब दिया कि पहले तताँरा बताए कि वह कौन है। वह उसे क्यों घूर रहा है और उससे असंगत प्रश्न क्यों कर रहा है? वह अपने गाँव के अतिरिक्त किसी अन्य गाँव के युवक को उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं है।

प्रश्न 3. तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?
उत्तर: तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु के बाद निकोबार में यह परिवर्तन आया कि निकोबारी दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध बनाने लगे।

प्रश्न 4. निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?
उत्तर: निकोबार के लोग तताँरा को उसके बहुत-से गुणों के कारण पसंद करते थे। जैसे-तताँरा एक सुंदर तथा शक्तिशाली युवक था। वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था, इसलिए सदैव दूसरों की सहायता के लिए तैयार रहता था। वह अपने गाँववालों की ही नहीं, बल्कि समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए-
प्रश्न 1. निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?
उत्तर: निकोबार द्वीप समूह विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का यह विश्वास है कि कभी लिटिल अंडमान और कार निकोबार नामक द्वीप आपस में मिले हुए थे। द्वीप पर स्थित किसी गाँव के युवक-युवतियाँ अपने ही गाँव में वैवाहिक संबंध बनाते थे। यह उनकी परंपरा थी। पासा गाँव का तताँरा और लपाती गाँव की वामीरो ने परस्पर प्रेम किया तो लोगों ने तताँरा को अपमानित किया। क्रोधित तताँरा ने अपनी तलवार से धरती के दो टुकड़े किए और द्वीप समूह विभक्त हो गया।

प्रश्न 2. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
उत्तर: तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद समुद्र किनारे गया। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अलौकिक था-सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था तथा समुद्र से ठंडी बयारें आ रही थीं। लहरें संगीत सुना रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहटें धीरे-धीरे कम हो रही थीं। सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणें समुद्र पर प्रतिबिंबित हो रही थीं। इस सायंकालीन प्राकृतिक सौंदर्य को तताँरा बालू पर बैठकर निहार रहा था।

प्रश्न 3. वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?
उत्तर: वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के शांत जीवन में तूफ़ान-सा आ गया। तताँरा ने जब वामीरो को देखा तभी से वह अपनी सुध-बुध खो बैठा। वामीरो का सुरीले कंठ से निकला गीत उसे मदहोश बना रहा था। वामीरो को देखते ही पहले तो वह अपनी चेतना खो बैठा, जब वह चैतन्य हुआ तो वामीरो से कल फिर आने और नाम बताने की याचना करने लगा। अगले दिन से बेचैनीपूर्वक वामीरो की प्रतीक्षा करना ही उसका काम रह गया था।

प्रश्न 4. प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?
उत्तर: प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए 'पशु-पर्व' का आयोजन किया जाता था। इसमें हृष्ट-पुष्ट पशुओं के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति-परीक्षा प्रतियोगिता भी होती थी। सभी गाँवों के लोग इसमें हिस्सा लेते थे।
इस आयोजन में नृत्य-संगीत और भोजन का भी प्रबंध किया जाता था।

प्रश्न 5. रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: परंपराएँ जो सदियों से चली आ रही हैं, कालांतर में अपना स्वरूप खो बैठती हैं। वे बदलते समय की आवश्यकतानुसार प्रासंगिक नहीं रह जाती हैं। उनसे फ़ायदा कम हानि अधिक होने लगती है। ऐसे में ये परंपराएँ रूढ़ियाँ बनकर समाज के लिए बंधन सिद्ध होती हैं। ऐसी रूढ़ियों का टूट जाना ही अच्छा होता है। इसका कारण यह है कि मानव-विकास के लिए परंपराएँ बनाई और निभाई जाती हैं। मनुष्य इनसे बहुत ऊपर है, अतः मानव का अहित करने वाली रूढ़ियों का टूटना ही अच्छा है।

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रश्न 1. जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।

उत्तर: वामीरो की माँ और गाँववालों ने अकारण तताँरा को अपमानित किया और दूसरी ओर वामीरो भी रोए जा रही थी तो तताँरा से अपमान और दुख से उपजा क्रोध सहा न गया। उसने क्रोध शमन कर पाने का कोई उपाय न देखकर अपनी विलक्षण तलवार निकाली और पूरी शक्ति से धरती में घोंप कर यह दर्शाना चाहा कि वह अपना सारा क्रोध धरती के हवाले कर दे रहा है। इससे धरती में दरार पड़ गई और द्वीप समूह दो भागों में बँट गया।

प्रश्न 2. बस आस की एक किरण थी, जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।

उत्तर: इसका आशय यह है कि वामीरो को पहली बार देखते ही तताँरा विचलित हो उठा था और उसकी चेतना लुप्त-सी हो गई थी। उसके शांत और गंभीर जीवन में पहली बार ऐसा हुआ था इसलिए वह अचंभित और रोमांचित था। इसी कारण उसे वामीरो से मिलने की प्रतीक्षा बहुत भारी लग रही थी। साथ ही उसके भीतर एक आशंका भी दौड़ रही थी कि वामीरो उससे मिलने आती भी है या नहीं। परंतु साथ ही आशा की एक किरण भी थी, जो उसी प्रकार समाप्त हो सकती थी, जिस प्रकार सूर्य के अस्त होने पर सूर्य की । किरणें समाप्त हो जाती हैं। वामीरो के ने आने पर आशा निराशा में भी बदल सकती थी।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों के सामने दिए कोष्ठक में (✓) का चिह्न लगाकर बताएँ कि वह वाक्य किस प्रकार का है-

उत्तर:

(क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे।	**विधानवाचक वाक्य**
(ख) तुमने एकाएक इतनी मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?	**प्रश्नवाचक वाक्य**
(ग) वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी।	**विधानवाचक वाक्य**
(घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम?	**प्रश्नवाचक वाक्य**
(ङ) वाह! कितना सुंदर नाम है।	**विस्मयादिबोधक वाक्य**
(च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ दूंगा।	**विधानवाचक वाक्य**

प्रश्न 2. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर:

मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग-

(क) तताँरा वामीरो को देखकर अपनी **सुध-बुध खो बैठा**।

(ख) तताँरा वामीरो की **बाट जोहता रहा**।

(ग) वामीरो को देखकर तताँरा की **खुशी का ठिकाना न रहा**।

(घ) तताँरा के प्रश्न पर वामीरो **आग बबूला हो उठी**।

(ङ) हमें अन्याय के खिलाफ़ **आवाज़ उठानी चाहिए**।

प्रश्न 3. नीचे दिए गए शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए-

उत्तर:

	शब्द	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
1.	चर्चा	चर्चित	इत

2. साहसिक	साहस	इक
3. छटपटाहट	छटपटाना	आहट
4. शब्दहीन	शब्द	हीन

प्रश्न 4. नीचे दिए गए शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए

उत्तर:

उचित उपसर्ग लगाकर बने शब्द-

1. अन	+	आकर्षक	=	अनाकर्षक
2. अ	+	ज्ञात	=	अज्ञात
3. सु	+	कोमल	=	सुकोमल
4. बे	+	होश	=	बेहोश
5. दुर्	+	घटना	=	दुर्घटना

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए-

उत्तर: -

(क) जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (मिश्र वाक्य)
मेरे जीवन में पहली बार ऐसा हुआ कि मैं इस तरह विचलित हुआ।

(ख) फिर तेज़ कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। (संयुक्त वाक्य)
वह फिर तेज़ कदमों से चली और तताँरा के सामने ठिठक गई।

(ग) वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ़ दौड़ी। (सरल वाक्य)
वामीरो कुछ सचेत होकर घर की तरफ़ दौड़ी।

(घ) तताँरा को देखकर वह फूटकर रोने लगी। (संयुक्त वाक्य)
उसने तताँरा को देखा और वह फूटकर रोने लगी।

(ङ) रीति के अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। (मिश्र वाक्य)
दोनों को एक ही गाँव का होना था क्योंकि गाँव की यह रीति थी।

प्रश्न 6. नीचे दिए वाक्य पढ़िए तथा 'और' शब्द के विभिन्न प्रयोगों पर ध्यान दीजिए

(क) पास में सुंदर **और** शक्तिशाली युवक रहा करता था। (दो पदों को जोड़ना)

(ख) वह कुछ **और** सोचने लगी। (अन्य के अर्थ में)।

(ग) एक आकृति कुछ साफ़ हुई… कुछ **और**… कुछ **और**… (क्रमशः धीरे-धीरे के अर्थ में)

(घ) अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई **और** घर की तरफ़ दौड़ गई। (दो उपवाक्यों को जोड़ने के अर्थ में)

(ङ) वामीरो का दुख उसे **और** गहरा कर रहा था। ('अधिकता' के अर्थ में)

(च) उसने थोड़ा **और** करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। ('निकटता' के अर्थ में)

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 7. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर:

1. भय - निर्भय (अभय),
2. मधुर - कटु
3. सभ्य - असभ्य
4. मूक - वाचाल
5. तरल - ठोस
6. उपस्थिति - अनुपस्थिति
7. सुखद - दुखद

प्रश्न 8. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर:

1. **समुद्र** – सागर, सिंधु ।
2. **आँख** – नेत्र, लोचन।
3. **दिन** – वासर, वार।।
4. **अंधेरा** – अंधकार, तम।
5. **मुक्त** – आज़ाद, स्वतंत्र।

प्रश्न 9. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर:

1. शेर को अचानक सामने देखकर मैं **किंकर्तव्यविमूढ़** हो गया।
2. अपने बच्चे के खो जाने की खबर सुनकर माँ **विह्वल** हो गई।
3. आतंकवादियों को देखकर मैं **भयाकुल** हो गया।
4. हम सभी ईश्वर के आगे **याचक** की तरह हैं।
5. मैं एक दिन **आकंठ** नदी में डूब गया।

प्रश्न 10. किसी तरह आँच रहित एक ठंडा और उबाऊ दिन गुज़रने लगा' वाक्य में दिन के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? आप दिन के लिए कोई तीन विशेषण और सुझाइए।

उत्तर:

- आँचरहित
- एक
- ठंडा
- उबाऊ

तीन विशेषण-

एक बार उष्णता रहित, बर्फीला और बड़ा दिन भी आया।

1. उष्णता रहित,
2. बर्फीला,
3. बड़ा।

प्रश्न 11. इस पाठ में देखना' क्रिया के कई रूप आए हैं-'देखना' के इन विभिन्न शब्द-प्रयोगों में क्या अंतर है? वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए।

'बोलना' क्रिया के विभिन्न शब्द-प्रयोग बताइए।

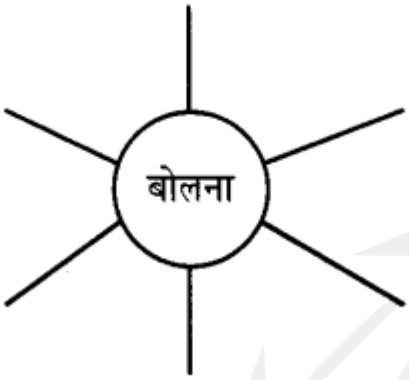

उत्तर

1. **आँखें केंद्रित करना** – उसने पिक्चर पर अपनी आँखें केंद्रित कर लीं।
2. **नज़र पड़ना** – रास्ता चलते एक भिखारिन पर मेरी नजर पड़ी।
3. **ताकना** – कनखियों से मेरी तरफ क्या ताक रहे हो?
4. **घूरना** – तुम क्रोध से मुझे क्यों घूर रहे हो।
5. **निहारना** – माँ अपने बेटे को बार-बार प्यार से निहार रही थी।
6. **निर्निमेष ताकना** – उस लड़की को तुम निर्निमेष क्यों ताक रहे हो।

'बोलना' के वाक्य प्रयोग-

कहना – तुम क्या कहना चाहते हो?
वाक् – मैं उसकी वाक्पटुता से प्रभावित हुई।
कथन – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 12. वाक्यों के रेखांकित पदबंधों का प्रकार बताइए

1. उसकी कल्पना में वह एक **अद्भुत साहसी** युवक था।
2. तताँरा को मानो कुछ **होश आया**।
3. वह **भागा-भागा** वहाँ पहुँच जाता।
4. तताँरा की तलवार एक **विलक्षण रहस्य** थी।
5. उसकी **व्याकुल आँखें** वामीरो को ढूंढ़ने में व्यस्त थीं।

उत्तर: पदबंधों के प्रकार-

1. विशेषण पदबंध
2. क्रिया पदबंध
3. क्रियाविशेषण पदबंध
4. संज्ञा पदबंध

eVanarchive

5. संज्ञा पदबंध

योग्यता विस्तार

प्रश्न 1. पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न प्रदेशों की लोककथाओं का अध्ययन कीजिए।

उत्तर:

राज्यवार लोककथाओं के उदाहरण

उत्तर प्रदेश

- राजा हरिश्चंद्र
- वीरांगना उदा देवी की कथा
- नरसी मेहता की भक्ति कथा

बिहार

- सोन परी और चतुर बालक
- विद्यापति और राजा शिव सिंह
- भीखन ठग की कहानी

राजस्थान

- पन्ना धाय की कथा
- मीरा बाई और कृष्ण
- मोती चूहे की कहानी

मध्य प्रदेश

- तेनालीराम की कहानियाँ (दक्षिण से संबंध भी है)
- बिरसा मुंडा की वीरगाथा
- राजा भोज और पंडित

पश्चिम बंगाल

- ठाकुरमार झुली (Grandmother's Bag of Tales)
- सात भाइ चंपा
- लाल-कमल का फूल

गुजरात

- झूलता मिनारा और राजकुमारी
- गंगा सतलज की लोककथा
- झूमकू और सोने का घड़ा

महाराष्ट्र

- सावित्री और सत्यवान
- तांबे की घंटी
- संत तुकाराम की कथा

तमिलनाडु

- तेनालीराम की बुद्धिमत्ता
- नाड़ी जोतिष कथा
- राजा और लोभी ब्राह्मण

egyanarchive

केरल

- परशुराम की कथा
- कवलप्पारा मोईदीन और प्रेम गाथा
- अय्यप्पा स्वामी की कथा

ॐ उड़ीसा

- धूम्रसेन की कथा
- धोबी और राजा
- सरला दास और ओडिया महाभारत

पूर्वोत्तर भारत (असम, मणिपुर, नागालैंड आदि)

- तेनालीराम जैसी हंसी की कथाएँ (असम)
- राजकुमारी संजेनल की कथा (मणिपुर)
- नागा योद्धाओं की वीरगाथा

सुझावित पुस्तक संग्रह नाम (पुस्तकालय में खोजने योग्य):

- "भारत की प्रसिद्ध लोककथाएँ" – एनसीईआरटी
- "लोककथा कोश" – साहित्य अकादमी
- "Indian Folk Tales" – Amar Chitra Katha
- "Akbar-Birbal, Tenali Raman, Vikram-Betal" – Children Series

प्रश्न 2. भारत के नक्शे में अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की पहचान कीजिए और उसकी भौगोलिक स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह भारत का एक केंद्रशासित प्रदेश है जो बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के बीच स्थित है। यह द्वीपसमूह दो भागों में बँटा हुआ है – **अंडमान द्वीप** (उत्तर में) और **निकोबार द्वीप** (दक्षिण में)।

भारत के नक्शे में पहचान:

- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह **पूर्वी भारत** के **बंगाल की खाड़ी** में स्थित है।
- यह मुख्य भूमि भारत से काफ़ी दूरी पर है, लेकिन **पश्चिम बंगाल के कोलकाता** और **तमिलनाडु के चेन्नई** से जलमार्ग द्वारा जुड़ा है।
- **पोर्ट ब्लेयर** इसकी राजधानी है और सबसे बड़ा नगर भी।

यदि आप भारत के नक्शे में देखें, तो यह भारत के दक्षिण-पूर्वी तट के नीचे, समंदर के बीच में **लंबी श्रृंखला** के रूप में दिखाई देता है।

भौगोलिक स्थिति की जानकारी:

विशेषता	**विवरण**
स्थिति	6° से 14° उत्तर अक्षांश और 92° से 94° पूर्व देशांतर के बीच
द्वीपों की संख्या	लगभग 572 द्वीप (इनमें से केवल कुछ ही बसे हुए हैं)
प्रमुख द्वीप	उत्तरी अंडमान, मध्य अंडमान, दक्षिणी अंडमान, ग्रेट निकोबार
घिरा हुआ है	पूर्व में अंडमान सागर और पश्चिम में बंगाल की खाड़ी

विशेषता	विवरण
जलवायु	उष्णकटिबंधीय – वर्षभर गर्म और आर्द्र
प्राकृतिक विशेषताएँ	घने जंगल, प्रवाल भित्तियाँ (coral reefs), समुद्री जैव विविधता
रणनीतिक महत्त्व	भारत की नौसेना के लिए महत्त्वपूर्ण स्थान; अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग के पास

विशेष तथ्य:

- **सेलुलर जेल (काला पानी)** – स्वतंत्रता सेनानियों को दी गई यातनाओं के लिए प्रसिद्ध।
- **इंदिरा पॉइंट** – भारत का सबसे दक्षिणी भू-बिंदु, ग्रेट निकोबार में स्थित है।
- **जनजातियाँ** – यहाँ रहने वाली कुछ जनजातियाँ अत्यंत प्राचीन हैं, जैसे – जारवा, ओंगे, शोंपेन, सेंटिनेली।

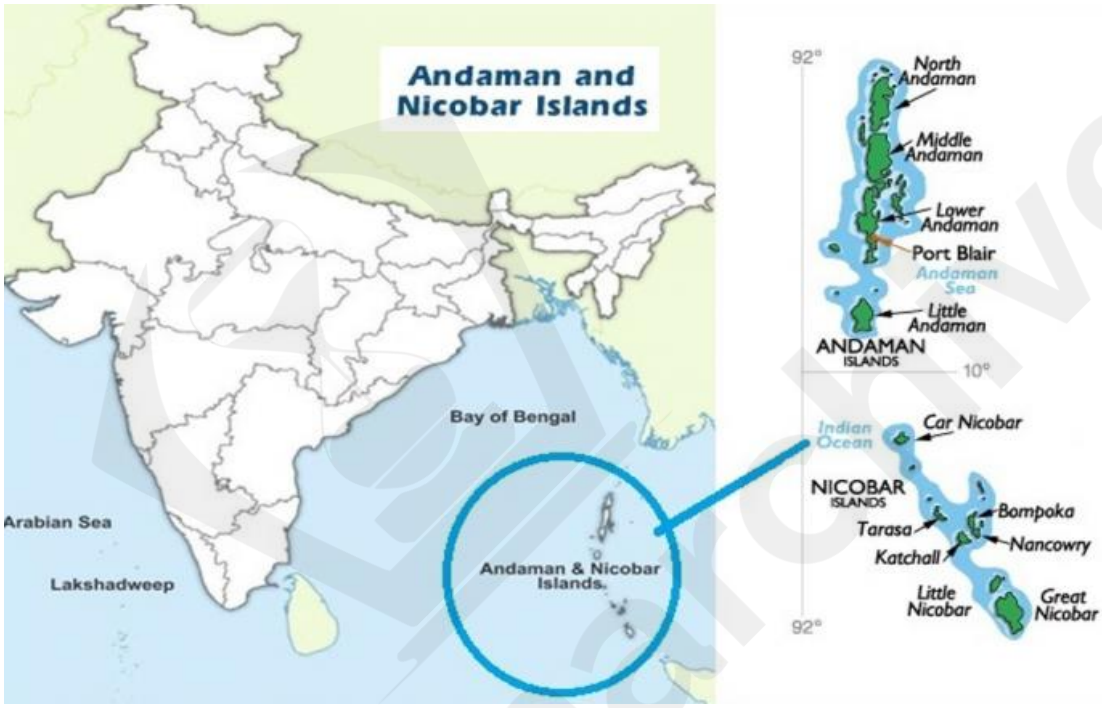

प्रश्न 3. अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की प्रमुख जनजातियों की विशेषताओं का अध्ययन पुस्तकालय की सहायता से कीजिए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की प्रमुख जनजातियाँ अपनी विशिष्ट जीवनशैली, संस्कृति और भाषाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। यहाँ उनकी कुछ प्रमुख विशेषताएँ दी गई हैं:

1. ग्रेट अंडमानी (Great Andamanese)

- **स्थान**: उत्तर अंडमान द्वीपों में
- **विशेषताएँ**:
  - पहले 10,000 से अधिक की आबादी थी, अब कुछ दर्जन ही बचे हैं।
  - शिकारी-संग्रहकर्ता जीवनशैली अपनाते हैं।
  - कई उप-जनजातियाँ थीं जैसे जेरू, बो, खरिया, आदि।
  - अब सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र में बसाए गए हैं।

2. जारवा (Jarwa)

- **स्थान**: दक्षिण और मध्य अंडमान के जंगलों में
- **विशेषताएँ**:

- बाहरी संपर्क से दूर रहते हैं।
- शिकारी और जंगल-फल पर आधारित जीवनशैली।
- धनुष-बाण का प्रयोग करते हैं।
- सरकार ने संपर्क की नीति में बदलाव कर उन्हें स्वतंत्र छोड़ दिया है।

3. ओंगे (Onges)

- **स्थान**: लिटल अंडमान द्वीप
- **विशेषताएँ**:
  - छोटी आबादी, लगभग 100 से भी कम।
  - शिकार और मछली पकड़ना मुख्य कार्य।
  - सरल, सामूहिक जीवन जीते हैं।
  - सरकार की सहायता पर भी निर्भर हैं।

4. शोंपेन (Shompens)

- **स्थान**: ग्रेट निकोबार द्वीप
- **विशेषताएँ**:
  - बाहरी दुनिया से न्यूनतम संपर्क रखते हैं।
  - जंगलों में बसे हुए हैं और खानाबदोश जीवन जीते हैं।
  - वनस्पति, मछली और शिकार पर निर्भर।
  - इनकी भाषा और संस्कृति पर अब भी शोध जारी है।

5. सेंटिनली (Sentinelese)

- **स्थान**: नॉर्थ सेंटिनल द्वीप
- **विशेषताएँ**:
  - दुनिया की सबसे अलग-थलग रहने वाली जनजाति।
  - किसी भी बाहरी संपर्क को आक्रामक रूप से अस्वीकार करते हैं।
  - सरकार ने इस द्वीप पर जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है।
  - इनके बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है।

प्रश्न 4. दिसंबर 2004 में आए सुनामी का इस द्वीपसमूह पर क्या प्रभाव पड़ा? जानकारी एकत्रित कीजिए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

दिसंबर 2004 की सुनामी का अंडमान निकोबार द्वीपसमूह पर बहुत ही विनाशकारी प्रभाव पड़ा था। यह सुनामी 26 दिसंबर 2004 को आई थी, जिसकी शुरुआत इंडोनेशिया के समीप समुद्र में आए 9.1 तीव्रता के भूकंप से हुई थी। इस विनाशकारी लहर ने अंडमान निकोबार को बुरी तरह प्रभावित किया।

यहाँ उस प्रभाव की प्रमुख जानकारी दी जा रही है:

प्रमुख प्रभाव:

1. भौगोलिक प्रभाव:

- कई द्वीपों की **भू-आकृति बदल गई**।
- कुछ द्वीप **समुद्र में डूब** गए या उनका आकार घट गया।

- कई तटीय इलाके पूरी तरह **बर्बाद हो गए**।

2. जनहानि और जनजीवन पर प्रभाव:

- लगभग **3,500 से अधिक लोग मारे गए या लापता** हो गए।
- हज़ारों लोग **बेघर** हो गए और उन्हें राहत शिविरों में रखा गया।
- **जनजातीय समुदायों** पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन जारवा, ओंगे और सेंटिनली जनजातियों ने आश्चर्यजनक रूप से कम नुकसान झेला क्योंकि उन्होंने समय रहते ऊँचाई वाले इलाकों में शरण ली।

3. अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:

- **मत्स्य उद्योग, कृषि और पर्यटन** को भारी क्षति पहुँची।
- **बुनियादी ढाँचा** जैसे सड़कें, पुल, बंदरगाह और हवाई पट्टियाँ तबाह हो गईं।

4. राहत और पुनर्वास:

- केंद्र सरकार और सेना द्वारा **तत्काल राहत कार्य** शुरू किए गए।
- **भोजन, दवाइयाँ, तंबू** और अन्य जरूरी चीज़ों की आपूर्ति की गई।
- दीर्घकालिक पुनर्वास योजनाओं के तहत **नए मकानों और स्कूलों** का निर्माण किया गया।

खास तथ्य:

- यह अनुमान लगाया गया कि इस आपदा में **5,900 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान** हुआ था।
- सेंटिनली जनजाति ने किसी बाहरी मदद को स्वीकार नहीं किया और **अपनी पारंपरिक ज्ञान और अनुभव** से बचाव किया।

परियोजना कार्य

प्रश्न 1. अपने घर-परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से कुछ लोककथाओं को सुनिए। उन कथाओं को अपने शब्दों में कक्षा में सुनाइए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

लोककथा 1: चतुर खरगोश और शेर (राजस्थान)

बहुत समय पहले एक जंगल में एक शेर रहता था। वह रोज एक जानवर मारकर खा जाता और जंगल के सारे जानवर डर के मारे परेशान हो गए। अंत में उन्होंने तय किया कि वे बारी-बारी से हर दिन एक जानवर भेजेंगे ताकि सबका अंत न हो जाए।

एक दिन एक चतुर खरगोश की बारी आई। वह जानबूझकर देर से गया और शेर को बताया कि रास्ते में एक और शेर ने उसे रोक लिया और कहा कि वह असली राजा है। यह सुनकर शेर बहुत गुस्से में आया। उसने खरगोश से उस नकली शेर को दिखाने को कहा।

खरगोश उसे एक कुएँ के पास ले गया और कहा कि वह शेर उस कुएँ में रहता है। शेर ने जब कुएँ में झाँका, तो उसे अपनी ही परछाईं दिखी। गुस्से में उसने कुएँ में छलांग लगा दी और मर गया। इस तरह चतुर खरगोश ने जंगल को शेर के आतंक से मुक्त कर दिया।

लोककथा 2: ईमानदार लकड़हारा (उत्तर भारत)

एक बार की बात है, एक गरीब लकड़हारा नदी के किनारे लकड़ियाँ काट रहा था। तभी उसकी कुल्हाड़ी हाथ से छूटकर नदी में गिर गई। वह बहुत दुखी हुआ।

तभी जल देवी प्रकट हुईं और उन्होंने उसे सोने की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा, "यह मेरी नहीं है।" फिर उन्होंने चाँदी की कुल्हाड़ी दिखाई, पर उसने वही जवाब दिया। अंत में उन्होंने लोहे की कुल्हाड़ी दिखाई, और लकड़हारे ने कहा – "हाँ, यही मेरी है।" जल देवी उसकी ईमानदारी से प्रसन्न हो गईं और उसे तीनों कुल्हाड़ियाँ दे दीं।

कक्षा में प्रस्तुति के लिए सुझाव:

- कहानी के आरंभ में बताएं कि किससे आपने सुनी।
- अपने शब्दों में, भावपूर्ण ढंग से कहानी सुनाएं।
- अंत में, कहानी से मिलने वाली *नीति/सीख* को ज़रूर जोड़ें।

egyanarchive